10 कौवा और साँप

एक बड़े बरगद के पेड़ पर एक कौवे और कौवी ने अपना घोंसला बनाया। वे अपने बाल-बच्चों के साथ उस घोंसले में रहने लगे।

एक दिन एक बूढ़े काले साँप ने भी उस बरगद के नीचे अपना बिल बना लिया और उसमें रहने लगा। काले साँप का इतना निकट रहना कौवे-कौवी को जरा भी नहीं भाया। पर वे कर भी क्या सकते थे?

कौवी ने अण्डे दिए। कुछ दिनों बाद अण्डों में से बच्चे निकले। कौवा और कौवी बड़े प्यार से अपने बच्चों को पालने लगे। एक दिन कौवा और कौवी बच्चों के लिए खाना लाने गए हुए थे। काला साँप पेड़ पर चढ़ गया। उसने उनके बच्चों को मारकर खा लिया। कौवा और कौवी जब लौटे और बच्चों को नहीं पाया तो बहुत दुखी हुए। उन्होंने सारे जानवरों और चिड़ियों से पूछा, लेकिन कोई भी नहीं बता सका कि बच्चे कहाँ गायब हो गए हैं। दोनों खूब रोए। फिर दोनों ने तय किया अगली बार बच्चों को अकेला नहीं छोड़ेंगे।

कई महीने बीत गए। कौवी ने फिर अण्डे दिये। अण्डों से बच्चे निकले। इस बार कौवा और कौवी बच्चों की खूब रखवाली करते। एक दाना लाने जाता तो दूसरा बच्चों के पास रहता।

एक दिन कौवी ने देखा कि वही बूढ़ा साँप धीरे-धीरे रेंगता हुआ पेड़ पर चढ़ रहा है। वह साँप को भगाने के लिए जोर-जोर से काँव-काँव करने लगी। लेकिन साँप पर इसका कोई असर नहीं हुआ। वह पेड़ पर चढ़ गया और बच्चों को फिर मारकर खा गया।

कौवी बहुत रोयी। उसके आँसू रुकते ही नहीं थे। उसका रोना-धोना सुनकर बहुत सारे कौवे वहाँ आ पहुँचे। सबने मिलकर साँप पर हमला करना चाहा, पर साँप तो पहले ही अपने बिल में घुस गया था।

शाम को कौवा लौटा और उसने सुना कि काला साँप फिर बच्चों को खा गया तो वह बहुत दुखी हुआ। सिसकते हुए कौवी ने कहा कि हम लोग इस पेड़ को छोड़कर कहीं और चलते हैं। इस काले साँप के पड़ोस में रहना ठीक नहीं।

बच्चों के मरने से कौवा भी बहुत दुखी था। उसने कौवी को बहुत समझाया। पर कौवी ने एक न सुनी। वह काले साँप के पड़ोस में रहने को राजी न थी।

कौवे ने कहा, ''हम इतने सालों से यहाँ रह रहे हैं। अपने पुराने घर को छोड़ते हुए मुझको बुरा तो बहुत लगेगा।''

कौवी ने कहा, ''सो तो ठीक है, पर इस दुष्ट साँप से हमें कौन बचाएगा?''

कौवे ने कहा, ''चलो हम साँप को भगाने या मारने की कोई तरकीब सोचें। लोमड़ी मौसी यहीं पास में

रहती है। वह बहुत चतुर है। चलो उससे बात करें।''

कौवी ने कौवे की बात मान ली। दोनों लोमड़ी के पास गए और उसे सारी बात बताई। वे बोले, ''हमारी मदद करो, मौसी। इस साँप से हमें बचाओ। नहीं तो हमें अपना घर छोड़कर कहीं दूर जाना पड़ेगा।''

लोमड़ी ने कुछ देर सोचकर कौवे से कहा, ''तुम दोनों को अपना घर नहीं छोड़ना चाहिए। तुम दोनों बहुत दिनों से यहाँ रह रहे हो। मैंने साँप को मारने की एक बहुत अच्छी तरकीब सोची है।

''कल सवेरे महल से राजकुमारियाँ नदी में नहाने जाएँगी। पानी में घुसने के पहले वे अपने गहने और

कपड़े उतारकर किनारे पर रख देंगी। उनकी रखवाली करने के लिए उनके साथ नौकर-चाकर भी होंगे।

''तुम दोनों पहले देख आना कि वे गहने कहाँ रखती हैं। जब कोई देख न रहा हो तो कौवी उनमें से एक मोती का हार उठाकर उड़ जाए। तुम पीछे-पीछे काँव-काँव करते उड़ जाना। खूब जोर से शोर मचाना जिससे कि नौकर-चाकर उसे हार लेकर उड़ते हुए देख लें। वह तुम्हारा पीछा करेंगे। हार काले साँप के बिल में गिरा देना। फिर देखना क्या होता है।''

कौवे ने लोमड़ी की बताई तरकीब मान ली।

दूसरे दिन सवेरे कौवा नदी के किनारे जा पहुँचा। थोड़ी देर में राजकुमारियाँ वहाँ आईं। उनके साथ नौकरानियाँ भी थीं। राजकुमारियों ने अपने गहने-कपड़े उतारकर किनारे पर रख दिये और नहाने के लिए नदी में उतर गईं।

कौवा और कौवी देख रहे थे। गहनों में मोतियों का एक हार भी था। कौवी झपटकर चोंच में हार को दबाई और उड़ गई। काँव-काँव करता हुआ कौवा भी उसके पीछे-पीछे उड़ चला।

नौकरों ने कौवी को हार उठाते देख लिया। उन्होंने शोर मचाया और उनके पीछे भागे। कौवी ने साँप के बिल में हार गिरा दिया और उड़ गई।

नौकरों ने साँप के बिल में हार को गिरते देख लिया। वे डंडों से बिल में से हार निकालने लगे। साँप को यह छेड़छाड़ अच्छी नहीं लगी।

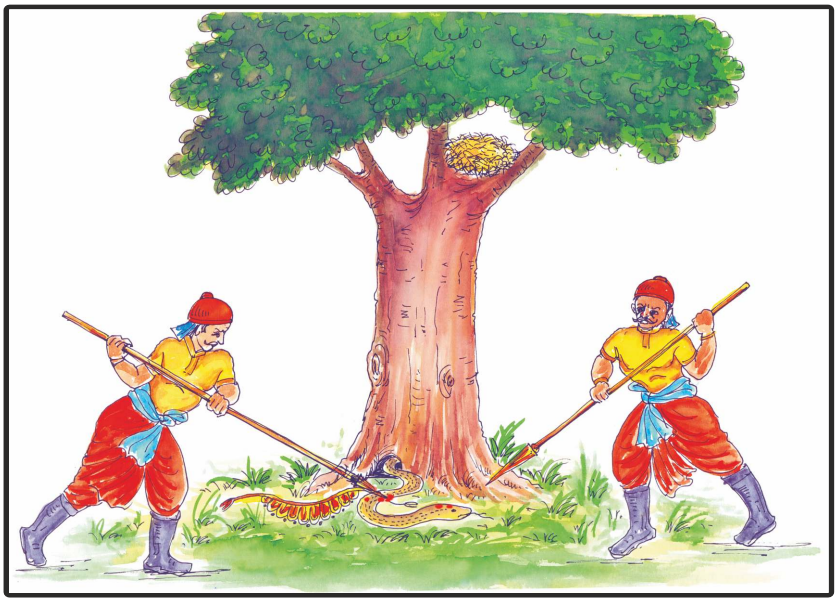

उसे बहुत गुस्सा आया। वह बिल के बाहर निकल आया और फन फैलाकर उन्हें डँसने को लपका। नौकरों ने साँप को घेर लिया और भाले से बेधकर मार डाला। फिर वे हार लेकर चले गए।

कौवा और कौवी पेड़ पर से यह तमाशा देख रहे थे। उन्होंने जब देखा कि उनका दुश्मन काला साँप मार डाला गया है, तब उन्होंने चैन की साँस ली।

कौवा और कौवी अपने पुराने घर में सुख से रहने लगे और हमेशा लोमड़ी के गुण गाते रहे।

-विष्णु शर्मा ('पंचतंत्र')

शब्दार्थ

निकट	–	नजदीक	**भाना**	–	अच्छा लगना
रखवाली	–	पहरा	**रेंगना**	–	सरकना
दुष्ट	–	बदमाश	**तरकीब**	–	उपाय
नौकरानी	–	दाई	**शोर**	–	हल्ला
राजकुमारी	–	राजा की बेटी			

अभ्यास

1. अपनी समझ से बताएँ –

(क) काले साँप का घोंसले के निकट रहना कौवा-कौवी को क्यों नहीं भाया?

.....

(ख) कौवी के काँव-काँव करने पर साँप पर कोई असर क्यों नहीं हुआ?

.....

(ग) अगर साँप बिल में न घुस गया होता तो क्या सारे कौवे मिलकर साँप को मार पाते?

.....

(घ) अगर लोमड़ी, कौवे-कौवी की मदद न करती तो क्या होता?

.....

2. पाठ से बताएँ –

(क) कौवी ने कौवे से घर छोड़ने की बात क्यों कही?

.....

.....

.....

(ख) लोमड़ी ने साँप को मारने की क्या तरकीब सोची?

.....

.....

.....

(ग) राजकुमारी के नौकरों ने साँप को क्यों मार दिया ?

.....

.....

.....

(घ) पाठ में से उन पंक्तियाँ को लिखिए जहाँ कौवी माला झपटकर उड़ गई।

.....

.....

.....

3. नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ें और प्रत्येक वाक्य के लिए खाली स्थानों में लिखें कि कहानी में यह वाक्य किसने कहा और किससे कहा–

(क) ''सो तो ठीक है, पर इस दुष्ट साँप से हमें बचाएगा कौन ?''

(ख) ''हम इतने सालों से यहाँ रह रहे हैं। अपने पुराने घर को छोड़ते हुए मुझको बुरा तो बहुत लगेगा।''

(ग) ''जब कोई देख न रहा हो तो कौवी उनमें से एक मोती का हार उठाकर उड़ जाए।''

वाक्य	किसने कहा	किससे कहा
(क)		
(ख)		
(ग)		

4. पहले क्या हुआ? फिर क्या हुआ? उसी क्रम से नीचे लिखे वाक्यों के सामने 1, 2, 3, 4.....10 क्रम से लिखें।

- ☐ साँप ने कौवा-कौवी के बच्चों को मारकर खा लिया।
- ☐ नदी में राजकुमारियाँ नहाने आईं।
- ☐ कौवे और कौवी ने बरगद पर अपना घोंसला बनाया।
- ☐ कौवा-कौवी लोमड़ी के पास गये और लोमड़ी ने उन्हें तरकीब बताई।
- ☐ एक बूढ़ा काला साँप भी उसी बरगद के नीचे बिल बनाकर रहने लगा।
- ☐ नौकरों ने भाले से बेधकर साँप को मार डाला।
- ☐ कौवी बहुत रोई और शाम को कौवे से उस पेड़ को छोड़कर कहीं और जाने की बात कही।
- ☐ कौवी मोतियों की माला झपटकर उड़ गई और नौकरों ने उसका पीछा किया।
- ☐ कौवा और कौवी अपने पुराने घर में सुख से रहने लगे।
- ☐ कौवी ने माला साँप के बिल में गिरा दिया।

5. बॉक्स में दिये कुछ नामों में से गहनों के नामों को घेर कर लिखें और बताएँ कि वे कहाँ पहने जाते हैं?

अँगूठी, मकान, हार, घायल, तरबूज,काला, पायल, बाली, कंगन, काजल, झुमका, साड़ी, कुर्सी, माँगटिका, चम्मच, कमरबँध, नथिया, जंगल, बिछिया, पंछी

गहने का नाम	कहाँ पहना जाता है	गहने का नाम	कहाँ पहना जाता है
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

6. निम्न शब्दों को वाक्य में प्रयोग करें ।

धीरे-धीरे – .....

जोर-जोर – .....

साथ-साथ – .....

जब-जब – .....

पीछे-पीछे – .....

काँव-काँव – .....

7. कौन कहाँ रहता है ?

साँप ..... में रहता है।

कौआ ..... में रहता है।

मछली ..... में रहती है।

चूहा ..... में रहता है।

शेर ..... में रहता है।

बंदर ..... में रहता है।

8. नीचे लिखे वाक्यों को पाठ में खोजें और प्रत्येक वाक्य के सामने उनका नाम लिखें, जिनके लिए वाक्य में रेखांकित शब्द का प्रयोग हुआ है-

(क) हमलोग इस पेड़ को छोड़कर कहीं और चलते हैं। .....

(ख) उसने कौवी को बहुत समझाया। .....

(ग) हम इतने सालों से यहाँ रह रहे हैं । .....

(घ) वह बहुत चतुर है। .....

(ङ) वे बोले- हमारी मदद करोगी मौसी? .....

(च) तुम दोनों को अपना घर नहीं छोड़ना चाहिए। .....

(छ) मैंने साँप को मारने की एक अच्छी तरकीब सोची है। .....

(ज) वे डंडों से बिल में से हार निकालने लगे। .....

ऊपर के रेखांकित शब्द किसी-न-किसी संज्ञा के बदले आए हैं। ये सभी 'सर्वनाम' के उदाहरण हैं।

9. नीचे लिखे वाक्यों को ध्यान से पढ़ें। रेखांकित शब्द, जिसके बारे में बता रहा है, उसे सामने दिए कोष्ठक में लिखें-

(क) एक <u>बड़ा</u> बरगद का पेड़ था। .....

(ख) उसपर रहने वाली कौवी ने <u>कई</u> अण्डे दिए। .....

(ग) बरगद के नीचे बिल में एक <u>काला</u> साँप रहता था। .....

(घ) साँप <u>बूढ़ा</u> हो चला था। .....

(ङ) जंगल में एक <u>चतुर</u> लोमड़ी रहती थी। .....

(च) उसने एक <u>अच्छी</u> तरकीब सोची। .....

जो शब्द किसी संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताए उसे विशेषण कहते हैं। बड़ा, काला, कई, बूढ़ा, चतुर, अच्छी, ये सब विशेषण के उदाहरण हैं।